ॐ स्वस्थ समाज संरचना का संकल्प – जीवन विज्ञान : आचार्य महाप्रज्ञ, जीवन विज्ञान प्रणेता ॐ

Jeevan Vigyan (Science of Living)
e-Newsletter

Volume : 3; Number : 3
Editor
Hanuman Mal Sharma

जीवन विज्ञान : स्वस्थ समाज संरचना का संकल्प

पानी में गंदगी हो तो उसे फिल्टर कर पीया जा सकता है। किन्तु पानी साफ नहीं है, इसलिये पानी पीना बंद नहीं किया जा सकता। यदि कोई पानी पीना छोड़ दे तो उसे तड़फ–तड़फ कर प्राण देना पड़ेगा। आज चिन्तन की जटिलता चल रही है इसलिये शिक्षा के साथ धर्म की बात को नहीं जोड़ा जा रहा है। धर्म के बिना चरित्र की कोई संभावना नहीं हो सकती। जब चरित्र नहीं है तो व्यक्तित्व का समग्र विकास नहीं हो सकता। शिक्षा का उद्देश्य है – ऐसी चेतना का विकास जिससे ज्ञान और आचार, दोनों को बल मिले। बौद्धिक पाठ्यक्रम से ज्ञान बढ़ाया जा सकता है, अनेक विद्या–शाखाओं का अध्ययन कर ज्ञान को व्यापक बनाया जा सकता है, किन्तु उससे चरित्र का विकास नहीं हो सकता। चरित्र का विकास करना बुद्धि का काम नहीं है। यह दूसरी शक्ति का काम है। बुद्धि भी मस्तिष्क का कार्य है। चरित्र का विकास करना भी मस्तिष्क का कार्य है। पर इनके सेन्टर भिन्न–भिन्न हैं। बुद्धि का सेन्टर है–रीजनिंग माइंड और चरित्र विकास का सेन्टर है–इमोशनल माइन्ड। इमोशनल माइन्ड में संवेगों पर नियंत्रण करने के सेन्टर है। चरित्र विकास के लिये नियंत्रण की क्षमता को बढ़ाना आवश्यक है। **आचार्य महाप्रज्ञ।**

भावात्मक विकास बिना शिक्षा अधूरी –समणी कमलप्रज्ञा

नवी मुम्बई 22 मार्च। मुम्बई जीवन विज्ञान अकादमी एवं शिक्षण मण्डल महानगरपालिका, नवी मुम्बई के संयुक्त तत्वावधान एवं आचार्यश्री महाश्रमणजी की विदुषी शिष्या समणी निर्देशिका समणी कमलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में आयोजित जीवन विज्ञान शिक्षक–प्रशिक्षण शिविर 21–22 मार्च का समापन समारोह महाराष्ट्र राज्य शिक्षण मण्डल के पूर्व संचालक भालचन्द देसले की अध्यक्षता में कला केन्द्र, नेरूल, नवी मुम्बई में आयोजित हुआ। इस शिविर में मनपा नवी मुम्बई द्वारा संचालित विद्यालयों से लगभग 75 शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं 35 विद्यार्थियों ने भाग लेकर जीवन विज्ञान का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में आगन्तुक अतिथियों एवं शिक्षक संभागियों का स्वागत करते हुए मनपा शिक्षण मण्डल सदस्य अर्जुन सिंघवी ने शिविर की रिपोर्ट से अवगत कराया। **क्रमश.. पैरा..2**

बगड़ीनगर में जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर

बगड़ीनगर 31 मार्च। परम श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी के तेरापंथ की गर्भस्थली बगड़ीनगर में पावन पदार्पण के शुभ अवसर पर पोरवाल चेरीटेबल ट्रस्ट, भिलाई एवं जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, बगड़ी नगर के संयुक्त तत्वावधान एवं केन्द्रीय जीवन विज्ञान अकादमी, लाडनूँ के निर्देशन में दिनांक 29 से 31 मार्च, 2012 तक त्रिदिवसीय जीवन विज्ञान विद्यार्थी–शिक्षक शिविर का आयोजन परमश्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में किया गया। शिविर के उद्घाटन के अवसर पर विद्यार्थी एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए सोजत ब्लॉक के ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर चम्पालाल पंवार ने कहा कि जीवन विज्ञान जीने की कला सिखाता है। इसमें सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ–साथ प्रायोगिक अभ्यास होने के कारण यह आचरण में सरलता से उतरता है।

शिविर में बगड़ीनगर के 10 विद्यालयों राज.उ.प्रा.वि.(नॉडल), बेरा पीपलिया, बेरा आखण्डी, देवासियों की ढाणी, कोटवालों की ढीमड़ी, संस्कृत विद्यालय, राज.बा.मा.विद्यालय सहित सरस्वती उ.प्रा.वि., माताजी उ.प्रा.वि. एवं नालन्दा माध्यमिक विद्यालय के लगभग 250 छात्रों एवं 10 शिक्षकों ने भाग लिया। शिविर में मुख्य रूप से प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान की आठों गतिविधियों के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अभ्यास के साथ–साथ यौगिक क्रियाओं एवं व्यक्तित्व विकास की जानकारी दी गई। इस त्रिदिवसीय प्रशिक्षण से पूर्व भी बगड़ी नगर के प्रत्येक **क्रमश...2.**

क्रमश: पैरा.1 संभागियों को अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए समणी कमलप्रज्ञा ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में जब तक भावात्मक विकास न हो तब तक सारी शिक्षा अधूरी है। उन्होंने कहा कि जीवन विज्ञान जीने की कला सिखाता है। इसके प्रायोगिक अभ्यास से न केवल विद्यार्थीवर्ग अपितु शिक्षक एवं अभिभावक भी लाभान्वित होते हैं। मुख्य रूप से प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान का प्रायोगिक अभ्यास पर बल देते हुए शिविर में यौगिक क्रियाएं, प्राणायाम, कायोत्सर्ग, दीर्घश्वास प्रेक्षा, ज्ञान केन्द्र प्रेक्षा, संकल्प शक्ति आदि का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का मूल दायित्व केन्द्रीय जीवन विज्ञान अकादमी के सहायक निदेशक हनुमान मल शर्मा ने निभाया, वरिष्ठ प्रशिक्षक मिश्रीमल चौधरी, संतोष परमार एवं भारती आचार्य का सहयोग एवं समय–समय पर समणीवृन्द द्वारा करवाये गये प्रयोग तथा उद्बोधन ने शिविर की सफलता में अपनी अहम भूमिका निभाई।

अशरण भावना : मुनि किशनलाल

शरण कौन खोजता है? जिसे अपने पर विश्वास नहीं है। अपने पर विश्वास कैसे हो, जब व्यक्ति स्वयं शक्ति सम्पन्न नहीं हो। आदिवासी जंगलों में रहते थे। हिंसक प्राणियों का भय बना रहता था। पत्थर के हथियार, गुलेल, धनुष, तीर आदि से अपनी सुरक्षा करते, लेकिन इनकी शरण से सभी सुरक्षित नहीं रहे तो भाले, तलवार, बन्दूक बनाई। इनमें भी सुरक्षा नहीं रही तब तोप, टैंक और मिसाइल बनाई। इनसे भी सुरक्षा का विश्वास नहीं रहा तो एटम बम बनाया। कुछ भी बना लें, कहीं भी छिप जाएं, आखिर मृत्यु तो घेर ही लेती है। इसलिये भगवान ने कहा – सभी प्राणी मरण धर्मा हैं। कोई किसी को शरण नहीं दे सकता। सभी असुरक्षित, अत्राण हैं। इसलिये कोई किसी को शरण नहीं दे सकता। शरण की आशा क्यों करें? अशरण भावना से अपने आपको भावित करें।

भगवान महावीर ने कहा – अपनी सुरक्षा अपने स्वरूप में है। अपनी आत्मा की शरण में आना ही अशरण अनुप्रेक्षा का मूल है। अशरण का साधक स्वयं की शरण को ही श्रेष्ठ मानता है। यह यथार्थ है। परम सच्चाई है। निश्चय नय की अपेक्षा से दूसरा कोई शरण नहीं बन सकता।

व्यवहार में भले कुछ कहा जाता है, उसकी पोल तब खुल जाती है जब स्वार्थ आपस में टकराते हैं। प्यारे से प्यारा संबंध कड़वा (खारा) हो जाता है। ऐसी हजारों घटनाएं हर क्षण घटती रहती है। व्यक्ति सोचता है, मेरे साथ धोखा हुआ है। वस्तु, मकान, परिवार में अशान्ति रहने से व्यक्ति को पुनः इन्हीं के आस–पास पैदा होना होता है।

क्रमश...1विद्यालय में प्रशिक्षक मुकेश मेहता एवं मनमेन्द्र मुखर्जी के नेतृत्व में प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दिनांक 30 मार्च को आचार्यप्रवर के पावन पदार्पण पर विद्यालयी छात्रों की विशाल जीवन विज्ञान रैली का आयोजन भी किया गया। शिविर समापन के अवसर पर मंचासीन अतिथियों का स्वागत करते हुए पोरवाल चेरीटेबल ट्रस्ट के प्रधान ट्रस्टी दानमल पोरवाल ने प्रत्येक विद्यालयों को प्रोत्साहन स्वरूप 1100/– रुपये की राशि प्रदान की। ब्लॉक एजुकेशल ऑफिसर चम्पालाल पंवार ने जीवन विज्ञान प्रशिक्षण के सुन्दर आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि ब्लॉक के सभी विद्यालयों में इसे नियमित प्रारम्भ कर सकूं। उन्होंने इसे विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के लिय समान लाभदायक माना। इस अवसर पर जैन श्वे.ते.सभा बगड़ीनगर के अध्यक्ष दानमल सुराणा सहित लूणचन्द पोरवाल, मोहनलाल पोरवाल, आदि अनेक प्रवासी महानुभाव उपस्थित थे। कार्यक्रम एवं शिविर का संचालन जी.वि.अ. लाडनूं के सहायक निदेशक हनुमान मल शर्मा ने किया। व्यवस्थाओं में जैन श्वे.ते.सभा सहित अध्यापक श्यामकुमार शर्मा एवं राज.उ.प्रा.वि. बेरा पीपलिया के प्रधानाचार्य लक्ष्मणजी का सहयोग प्राप्त हुआ।

सुंदरदेवी मोहनलाल सेठिया पब्लिक स्कूल का उद्घाटन

मोमासर, 17 फरवरी। दिल्ली प्रवासी एवं मोमासर निवासी श्री मोहनलाल सेठिया के सौजन्य से निर्मित सुंदरदेवी मोहनलाल सेठिया

पब्लिक सी.सै.स्कूल का उद्घाटन डूंगरगढ़ विधायक मंगलाराम गोदारा एवं सरदारशहर विधायक अशोक पींचा के करकमलों से हुआ। आचार्य महाश्रमण के शिष्य शासनश्री मुनि वत्सराजजी के सान्निध्य में आयोजित इस समारोह में 'राजस्थानश्री' उत्तमचंद सेठिया, युवा–गौरव पदमचंद पटावरी, जीतो के निदेशक ललित नाहटा, जीतो दिल्ली चेप्टर के महासचिव किशोर कोचर, तुलसी प्रज्ञा की संपादिका मुमुक्षु शांता बहन, प्रखर वक्ता श्रीमती पुष्पा नाहटा, डॉ.एम.पी. बुढानिया, जैन विश्वभारती निदेशक राजेन्द्र खटेड़, 'समृद्ध सुखी परिवार' के संपादक ललित गर्ग, 'बच्चों का देश' के संपादक पंचशील जैन आदि विशिष्टजन उपस्थित थे। उद्घाटन की पूर्वसंध्या पर दिल्ली के लोकप्रिय संगीत सम्राट राकेश चंडालिया एवं स्कूली बच्चों ने प्रियंका डूडी के निर्देशन में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। **क्रमशः पैरा...2**

ईरोड में जीवन विज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला

ईरोड़ 28 फरवरी। आचार्यश्री महाश्रमणजी की विदुषी शिष्या समणी निर्देशिका समणी विनीत प्रज्ञाजी के सान्निध्य एवं जीवन

विज्ञान अकादमी, ईरोड़ के तत्वावधान में दिनांक 28 फरवरी, 2012 को विद्यालयों में जीवन विज्ञान पाठ्यक्रम को जोड़ने के उद्देश्य से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें ईरोड़, भवानी, तिरुचनगोड, कोमारपाल्लियम, पल्लिपाल्लियम, कांजीकोइल, पेरुन्दुरै, टी.एन.पाल्यम, चिन्नमपट्टी, वेलाकोइल आदि क्षेत्रों के 47 विद्यालयों के संचालक, प्रिन्सिपल एवं वाइस प्रिन्सिपल आदि 81 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। **विशेष ध्यातव्य है कि** जीवन विज्ञान अकादमी ईरोड़ के प्रयास से गत वर्ष से 6 विद्यालयों ने इसे अपने पाठ्यक्रम में प्रारम्भ कर दिया है।

कार्यशाला का शुभारम्भ श्रीमती भारती डागा द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। समणी विनीतप्रज्ञा ने जीवन विज्ञान की संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि यह आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की महान देन है। वर्तमान में आचार्यश्री महाश्रमणजी के मार्गदर्शन में जीवन विज्ञान प्रगति की ओर अग्रसर है। अकादमी अध्यक्ष रमेशकुमार पटावरी ने आगन्तुक संभागियों एवं चैन्नई से पधारे प्रशिक्षक राकेश खटेड़ का स्वागत किया। प्रशिक्षण के क्रम में श्री खटेड़ ने पॉवर प्वाइंट के माध्यम से जीवन विज्ञान का परिचय देते हुए इसकी उपयोगिता प्रतिपादित की एवं विद्यार्थियों के जीवन में इसके द्वारा होने वाले सकारात्मक परिवर्तन की प्रक्रिया को समझाते हुए स्वस्थ समाज की संरचना में जीवन विज्ञान की भूमिका का सांगोपांग चित्रण किया।

प्रशिक्षण पश्चात अपने विचार प्रस्तुत करते हुए सुप्रसिद्ध स्कूल भारती विद्या भवन के कोरेस्पोण्डेण्ट डॉ. एल.एम. रामाकृष्णा ने कहा कि वास्तव में जीवन विज्ञान का विषय बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज के समय में इसके प्रशिक्षण की आवश्यकता है। गत वर्ष से जीवन विज्ञान को अपने यहां संचालित करने वाले विद्यालय प्रतिनिधियों ने बताया कि इस पाठ्यक्रम से हमारे विद्यार्थियों में बहुत सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने सभी विद्यालयों में इसे लागू करने का आह्वान किया। नरसिंहदास चेरीटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद की ओर से प्रतिभागी विद्यालयों को जीवन विज्ञान पाठ्यपुस्तकों का एक–एक सैट प्रदान किया गया। एमजीके सेल्वराजन ने प्रशिक्षक राकेश खटेड़ का सम्मान करते हुए उनकी प्रस्तुति की भूरि–भूरि प्रशंसा की। अकादमी के मंत्री हनुमान मल दूगड़ ने समणीवृन्द, प्रशिक्षक एवं अन्य आगन्तुकों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यालय जीवन विज्ञान को अपने यहां लागू करें। सेमीनार का कुशल संचालन सुश्री शिल्पा एस. सुराणा ने किया। वित्त प्रभारी हीरालाल चौपड़ा एवं प्रोजेक्ट चेयरमैन विमल पारख की मेहनत से कार्यशाला सानन्द सम्पन्न हुई।

क्रमशः पैरा...1 मुनि वत्सराज ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि शिक्षालय सरस्वती का पवित्र मंदिर है जहां अंधविश्वास नहीं, विश्वास चलता है। शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी का यह त्रिवेणी संगम मेरी दृष्टि में आकार और चमत्कार के साथ–साथ संस्कार निर्माण का केन्द्र है। श्री मोहनलाल सेठिया की समाजसेवा एवं परोपकार की चर्चा करते हुए मुनिश्री ने कहा कि यह विद्यालय व्यक्तित्व निर्माण का एक विशिष्ट केन्द्र बने। यहां की शिक्षा से विद्यार्थी उर्ध्वगामी बने, सारभूत बने। समारोह की अध्यक्षता ग्राम पंचायत मोमासर के सरपंच जेठाराम भामू ने की।